पारंपरिक पद्धति द्वारा
लंपी त्वचा रोग
का उपचार

क खिलाए जाने वाला मिश्रण
(न्यूनतम एक घंटे के अंतराल पर बारी-बारी खिलाएं)

❶ पहली विधि

सामग्री: (एक खुराक के लिए)

पान का पत्ता -10 पत्ता, काली मिर्च -10 ग्राम, नमक -10 ग्राम,
गुड़ - आवश्यकतानुसार

तैयार करने की विधि:

- ऊपर लिखी गई सामग्री को पीस कर पेस्ट बना लें और गुड़ मिला दें
- इस तैयार मिश्रण को अपने पशु को थोड़ी–थोड़ी मात्रा में खिलाएं
- पहले दिन इसकी एक खुराक हर 3 घंटे पर पशु को खिलाएं
- दूसरे दिन से दो सप्ताह तक पशु को दिनभर में तीन खुराक दें
- प्रत्येक खुराक ताजा तैयार करें

❷ दूसरी विधि

सामग्री: (दो खुराक के लिए)

लहसुन -2 कलियाँ, धनिया-10 ग्राम, जीरा-10 ग्राम, तुलसी का पत्ता-1 मुट्ठी, तेज पत्ता-10 ग्राम, काली मिर्च-10 ग्राम, पान का पत्ता-5, छोटा प्याज-2 नग, हल्दी पाउडर-10 ग्राम, चिरायता के पत्ते का पाउडर-30 ग्राम, बेसिल का पत्ता-1 मुट्ठी, बेल का पत्ता-1 मुट्ठी, नीम का पत्ता-1 मुट्ठी, गुड़-100 ग्राम

तैयार करने की विधि:

- ऊपर लिखी गई सामग्री को पीस कर पेस्ट बना लें और गुड़ मिला दें
- थोड़ी–थोड़ी मात्रा में पेस्ट को पशु को खिलाएं
- पहले दिन इसकी एक खुराक हर 3 घंटे पर पशु को खिलाएं
- दूसरे दिन से प्रतिदिन 2 खुराक पशु की स्थिति में सुधार आने तक खिलाएं (एक सुबह और एक शाम)
- प्रतिदिन खुराक ताजा तैयार करें

ख घाव पर लगाए जाने वाला मिश्रण
(यदि घाव है तो)

सामग्री:

कुप्पी का पत्ता-1 मुट्ठी, लहसुन-10 कलियाँ, नीम का पत्ता-1 मुट्ठी, नारियल/तिल का तेल-500 मिली, हल्दी पाउडर-20 ग्राम, मेहँदी का पत्ता-1 मुट्ठी, तुलसी का पत्ता-1 मुट्ठी

तैयार करने की विधि:

सभी समग्रियों को पीसकर पेस्ट बना लें तत्पश्चात इसमे 500 मिली नारियल अथवा तिल का तेल मिलाकर उबालें और ठंडा कर लें

लगाने की विधि:

घाव को अच्छी तरह साफ करने के बाद इस मिश्रण को सीधे घाव पर लगाएं

यदि घाव में कीड़े दिखाई दें:

यदि घाव में कीड़े दिखाई दें तो पहले दिन नारियल के तेल में कपूर मिलाकर लगाएं अथवा सीताफल की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बनाकर लगाएं

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

प्रो. एन. पुण्यमूर्थी के मार्गदर्शन के अनुसार (profpunniya@gmail.com)
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: anand@nddb.coop

www.nddb.coop • facebook.com/NationalDairyDevelopmentBoard

INSTITUTE OF TRANSDISCIPLINARY HEALTH SCIENCES & TECHNOLOGY